kl2.pdf **This manscript includes,**

<u>Page 1 – 2 : Brahma Vidya</u>

<u>Page 2 - 6 : Gowri Dashakam</u>

गौरीदशकम् अथवा गौरी स्तुतिः

॥ श्रीः ॥

लीलालब्धस्थापितलुप्ताखिललोकां
लोकातीतैर्योगिभिरन्तश्चिरमृग्याम् ।
बालादित्यश्रेणिसमानद्युतिपुञ्जां
गौरीमम्बामम्बुरुहाक्षीमहमीडे ॥ १॥

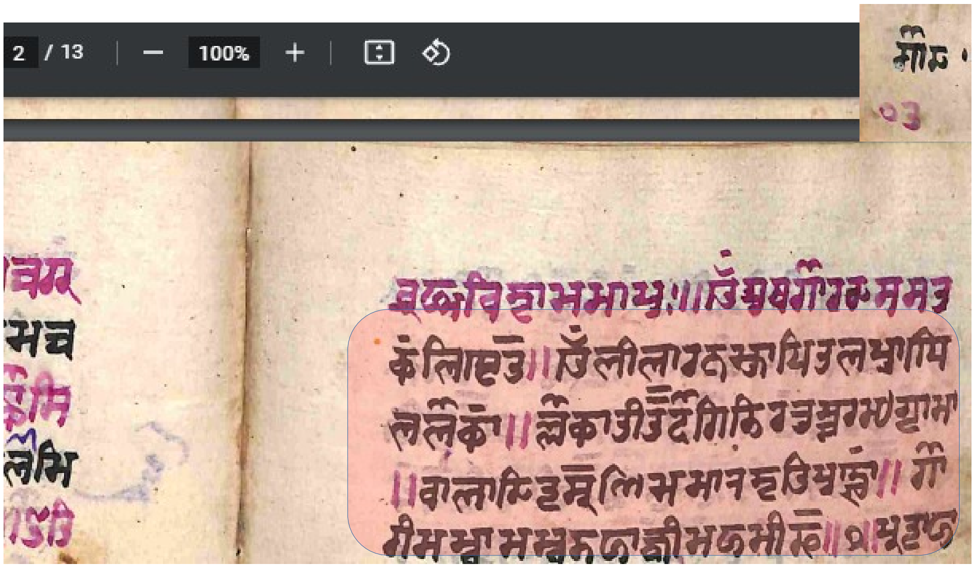

प्रातःकाले भावविशुद्धः प्रणिधाना-
द्भक्त्या नित्यं जल्पति गौरिदशकं यः ।
वाचां सिद्धिं सम्पदमग्र्यां शिवभक्तिं
तस्यावश्यं पर्वतपुत्री विदधाति ॥ ११॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य
श्रीमच्छंकरभगवतः कृतौ
गौरीदशकम् सम्पूर्णम् ॥

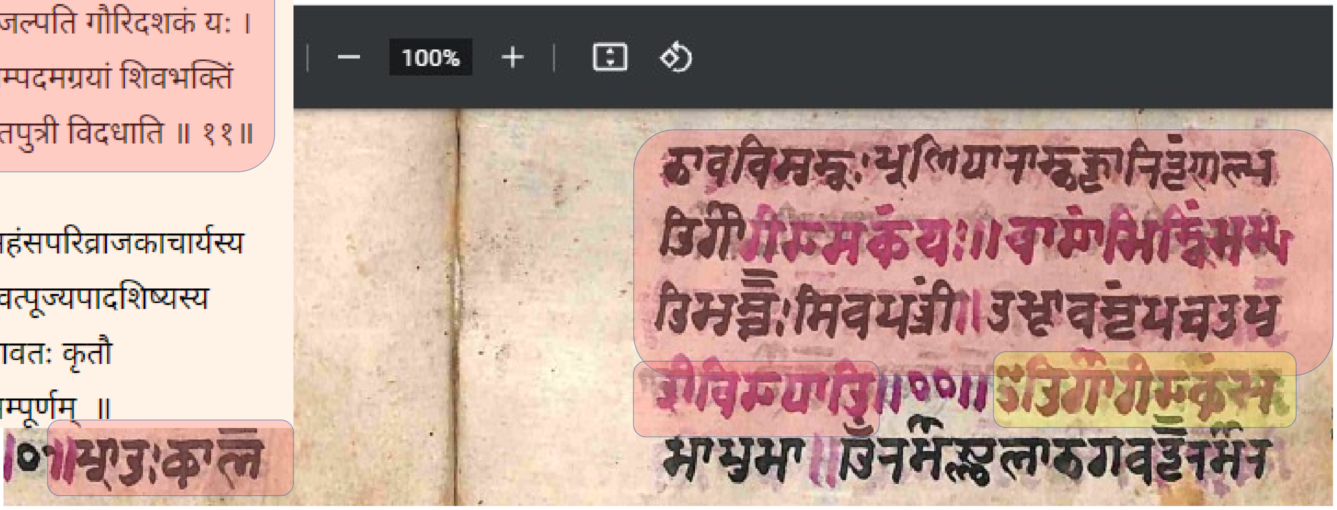

Ref: https://sanskritdocuments.org/doc_devii/gauri10.html

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

Page 6- 9 : Jwala Mukhi Stotram (from Shri Rudramala Tantra)

Page 9- 12 : Shri Sharika Stotram

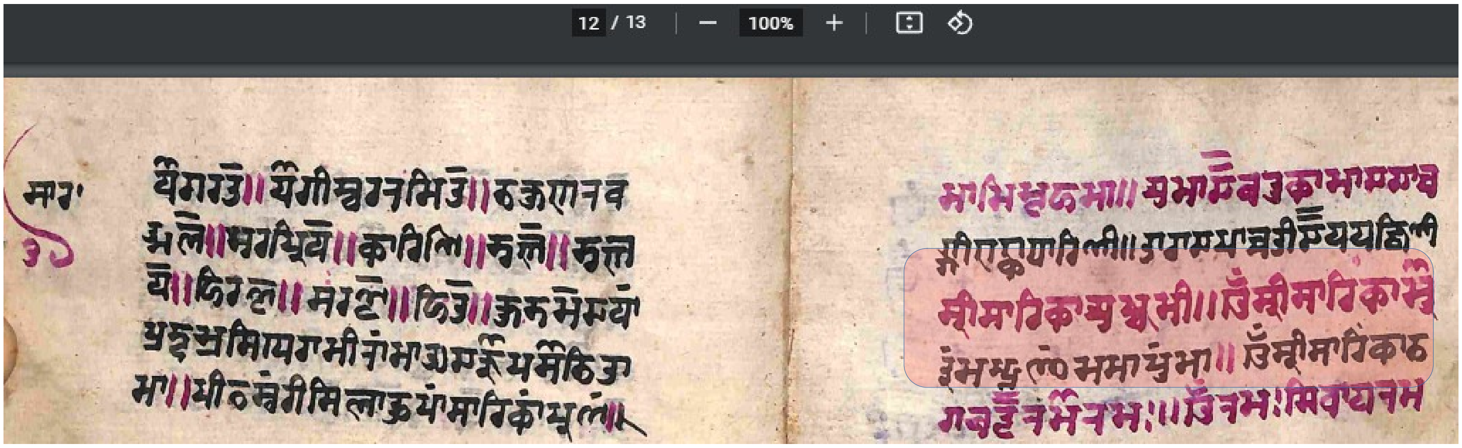

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

श्री ग ०३

[illegible] ॥ [illegible] ॥ श्रीः ॥ ३ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ श्रीः ॥ ३ ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ श्रीः ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

गौ° ६

भीमा वामननगोत्तमस्थितमा ॥ गौरी ॥ ५ ॥
मलापगागतन्वितवद्विपगम्य ॥ मांगमाम्
पभविज्ययशलिताश्रीमा ॥ सकलांवअग्नाम्
ज्योतगंतंतनमहं ॥ गौरी ॥ ६ ॥ सर्वाधीस्वन्
च्छितमच्छिन्नतवक्त्रं ॥ सर्वाधीश्वलत्वतल्लि

लल्लकण्ठलमा ॥ उद्भित्पस्फुहवितयामाम
मयामां ॥ गौरी ॥ ७ ॥ मच्छिद्रात्तामनमम्रुत्वा
विलमंत्री ॥ कृतकृतकृतकमधंधमविश्री
मा ॥ सकलवन्दनकमभवींतात्कशंतं ॥ गौ
री ॥ ८ ॥ यस्याज्ञां लीनमापंधिकृतयंकृतयः प
मागातं

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

गीता ३

उरकुमकृतमेव ॥ यदूमावंतंमख॥
कहूंविकरजी ॥ गीगी ७ ॥ निष्टमहैनि
ष्कलप्रकैगगगमीस ॥ ममहीयमामम
नविदाँभंजनलम ॥ विष्णुत्ताल्लीकना
मीलामिवधत्री ॥ गीगी ॥ ० ॥ यूतःकालि

ठवविमहृःयूलियायाम्हुजानिहंगल्प
त्रिगी गीरमकंयः ॥ वाकंभिहंमम
त्रिमह्रिःमिवयंत्री ॥ उह्मवंहृयवउय
वीविरुयाज्ञि ॥ ०० ॥ उंतिगीगीरकंम
मायमा ॥ त्रैनमैल्हलाकगवतैनमैन ८

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ब्ला. ॐ ह्रीं भगवती ब्लौं कालिद्रिम्यम्भड
३० रिमबवीलेरह्नकारि ॥ ह्लाम्भाणिनमैंस्
ते ॥ ७ ॥ ह्लाम्भाणिभजह्लेह्लाणि
रुलल्लैमरे ॥ ह्लातुरगाभजतुरगीं ॥ एह्ला
लिह्नै ननमैंस्तुते ॥ ८ ॥ ह्लाकगालि

नीनाभ ॥ हह्मलवगपारिणी ॥ विह्नमा
ह्नीम्रग्नाग्नीह्लाम्भापिनमैंस्तुते ॥ ३ ॥ ह्ल
लाम्भापिभजह्लांह्रींकारभिंजवासि
नी ॥ ह्लाठगावठीमक्लेह्लाम्भापिन
मैंस्तुते ॥ म ॥ भिंजमनभजमंमैं ॥ ह्नाभ

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ठला
33

ङ्गेभङ्गमालिनि॥ ठलैमकालमगि
नेठलामगियिनमैंमुतो॥५॥ठलीम
वगागआतुठलायरयातेरी॥ म
द्विलीायदिनीकतुठलामगियिनमैंमु
तो॥६॥गकमतुमजफ्रगंर्यागगगि

गमसि॥ ऊवमेकेसिमजगीह्लुठलामग
यिनमैंमुतो॥७॥मवेमवजनेठकेजम
गमरयातिनी॥ ठलीकालमजगरे॥
ठलामगियिनमैंमुते॥३॥विमितुठरलठ
लैऊङ्गमाठेमतुकगी॥नीलैचलाहिम

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

ह्लां
३३

क्षमे ॥ ह्लां भवानि नमोस्तुते ॥ ७ ॥ ह्लां भ
लापरे महे ॥ ह्लेत्रिजंमगाभिनी ॥ ह्ल
ले भगवतीं ह्रूं ह्रीं ह्लां भवानि नमोस्तुते ॥
० ॥ त्रिकलप्रहरवघोरे ह्लां पंचवक्त्रवाभि
नी ॥ कालरात्रि भगकालि ॥ ह्लां भवानि

नमोस्तुते ॥ ०० ॥ कैमारी ऊर्ध्वमस्त्राते
भगऊऊरावागिनी ॥ मह्नमकूधारे
वि ह्लां भवानि नमोस्तुते ॥ ०३ ॥ ध्येयगऊ
ये भग ध्येये ॥ भङ्गमालाविकृ षि
णि ॥ टं क्षूं कगलवमृते ह्लां भवानि

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

हुला ०ग

नमोमहते ॥ ०३ ॥ मवस्वज यमवोनिम
वमद्रुचिभक्ति ॥ स्वजायवजन्मवि
हुला भवियवमोमहते ॥ ०५ ॥ कवमा
वाऽयंमंयं०त्रैमोंत्र्यातः ॥ यतःयं०त्र
कमहतेमव यायेहेमवीमवेकवि

यति ॥ ०४ ॥ स्वकामवमिमंयमवेति
महूयं०त्रे ॥ ०६ ॥ उविमीकक्मलेतत्रेमी
हलामयामीमेहेमभामंमा ॥ तेते
नमोमाकाहगावहेनमोनमः ॥ वेगायक
गवति ॥ विद्वद्वामिनि ॥ कालमवामि

मा॰ग॰

ति॥ मऋमान बाभिवि॥ ऊँ क्षूं भैलि॥
कालायनि॥ काह्ययलि॥ ज्ञिमगिरिउच्चे
॥ ऊमाग माऊः॥ गौविरुदगिनि॥ मि
उक हृदाल॥ मुश्चमसमकणा॥ ऊ गागाव
लयमक्षितै॥ केयगजागदरल॥ गा

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

य॥ पङ्गा॥ त्रिमूल॥ भज्ञा॥ दभक॥
मषक॥ कलम॥ कपाल॥ पद्वू॥ ग
ग॥ भभ्रल॥ ऊँमग॥ मकृदस्तु॥ दया
षगकुउविगज्जि॥ मक्लिके॥ मभुयमस्तु
किगउवैम॥ बज्ञालि॥ कत्तलि॥ नागय

मा॰ णि॥ ब्रह्मचारिणि॥ ऋद्धिवृद्धिविधायि-
३५ नि॥ वेदमाता॥ गायत्री॥ सावित्री॥ सर्वग
ति॥ सर्वापरी॥ सर्वेश्वरि॥ विश्वेश्वरि॥ वि
श्वकर्तृ॥ सर्वादिविस्तात्रिमये॥ चिन्मये॥ कि
ञ्जमलि॥ भृकुये॥ कैवल्ये॥ सिवेसिवसुन्दु

ये॥ निराश्रये॥ निरुपाधिमये॥ ब्रह्मवि
ष्णुमहेश्वरत्रिमूर्ते॥ सैजनि॥ उँषाणि॥ ठ
यकुरनामिनि॥ ऋद्धिसर्वसुभविनि॥
कालिकालकिरुरमथिनि॥ कालाग्निमि
णि॥ कालरात्रि॥ मृगाणित्रि॥ सिंजरुत्रे॥

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मा॰
३७

यैंमरते॥ यैंगीब्रनमिते॥ ठऊएनव
झले॥ मरधिये॥ कारिलि॥ हले॥ हत्त
ये॥ झिरला॥ मरहे॥ झिते॥ ऊहमेमयं
प्रइप्रमियरामीनंमाअमर्कुंपमेठिता
मा॥ यीठंब्रीमिलाकुयंमारिकांयूलं॥

मामिहूठमा॥ मृमांठेबउकामामणव
ग्रीएकुयारिल्ली॥ उरामपाब्रऊँयपहिणी
श्रीमारिकामृभ्रमी॥ ॐश्रीमारिकाभ्रै
उेमसूलंममायेभा॥ ॐश्रीमारिकाठ
गवहेंनमेनमः॥ ॐनमःसिवायनम

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri